

सिंह-नाद पुं. (तत्.) 1. सिंह या शेर की गर्जना 2. युद्ध आदि में ललकारने की ध्वनि 3. जोर देकर किसी बात को कहना 4. बौद्धों का धार्मिक ग्रंथों का पाठ 5. शिव का एक नाम 6. एक वर्ण वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सगण, जगण, सगण, सगण तथा एक गुरु वर्ण होता है 6. संगीत में एक प्रकार की ताल 7. रावण का एक पुत्र।

सिंह नादक पुं. (तत्.) 1. सिंह का गर्जन 2. रणनाद 3. सिंघा बाजा।

सिंह-नादी वि. (तत्.) 1. सिंह जैसी गर्जन करने वाला 2. सिंह नाद करने वाला 3. एक बोधिसत्व का नाम स्त्री. सिंह नादिनी।

सिंहनी स्त्री. (तत्.) 1. शेर की मादा, शेरनी 2. कलहंस नामक छंद जिसके चरणों में क्रमशः 12, 18, 20 और 22 मात्राएँ होती हैं, इस क्रम के उलटने पर उसे 'गाहिनी' कहते हैं 3. ला. वीर और पराक्रमी स्त्री।

सिंहपर्णी स्त्री. (तत्.) मासपर्णी, वासक।

सिंह-पिप्पली स्त्री. (तत्.) सिंहली पीपल, सैहली।

सिंह-पुच्छ पुं. (तत्.) पिठवन, पृश्निपर्णी।

सिंह-पुच्छी/सिंह-पुच्छिका स्त्री. (तत्.) 1. चित्रपर्णी या चित्रपर्णिका 2. माषपर्णी, बन-उड़द 3. पिठवन, पश्निपर्णी।

सिंह-पुरुष पुं. (तत्.) 1. सिंह के समान पराक्रमी पुरुष 2. जैनियों के नौ वासुरेखों में से एक।

सिंह-पुष्पी स्त्री. (तत्.) पृश्निपर्णी, पिठवन।

सिंह-पौर पुं. (तत्.) सिंह, द्वार।

सिंह-प्रणाद पुं. (तत्.) रणनाद, ललकार।

सिंह-भैरवी स्त्री. (तत्.) संगीत में भैरव रागिनी का एक भेद।

सिंह-मल पुं. (तत्.) 1. एक तरह का पीतल 2. एक तरह की मिश्रधातु 3. पंचलोह।

सिंह-मुख वि. (तत्.) 1. सिंह जैसी मुखाकृति वाला पुं. 1. शिव का एक अनुचर या गण 2. एक राक्षस।

सिंह-मुखी वि. (तत्.) 1. सिंह जैसी मुखाकृति वाली स्त्री. 1. कृष्ण सिंदुवार 2. अडूसा 3. एक प्रकार की खारी मिट्टी 4. माषपर्णी (जंगली उड़द) 5. बाँस।

सिंहयाना स्त्री. (तत्.) सिंह है यान (वाहन) जिसका, सिंह पर सवारी करने वाली, दुर्गा।

सिंहल स्त्री. (तत्.) सिंह ही है रथ जिसका, दुर्गा।

सिंहरथा स्त्री. (तत्.) 1. भारत के दक्षिण में स्थित एक द्वीप, लंका (संभवतः यहां सिंह पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं) 2. उक्त द्वीप का निवासी (सिंहली) 3. पीतल 4. टीन 5. छाल।

सिंहलक पुं. (तत्.) 1. सिंहल द्वीप 2. पीतल 3. दारचीनी वि. जो सिंहल द्वीप से संबंधित हो, सिंहल-द्वीप-संबंधी।

सिंहला स्त्री. (तत्.) 1. सिंघल द्वीप, लंका 2. रांगा 3. पीतक 4. दारचीनी 5. छाल।

सिंहली वि. (तत्.) सिंहल द्वीप संबंधी स्त्री. 1. एक तरह की पिप्पली 2. सिंहल द्वीप की भाषा पुं; 1. सिंहल द्वीप का निवासी 2. सिंहल द्वीप का हाथी

सिंहलील/सिंहली-पीपल स्त्री. (तत्.) सिंहल में होने वाली एक प्रकार की लता जिसके बीज दवा के रूप में प्रयुक्त होते हैं स्त्री. (तत्.) 1. (संगीत) एक प्रकार की ताल 2. कामशास्त्र में वर्णित, एक प्रकार का आसन, रतिबंध।

सिंह-वाहना स्त्री. (तत्.) जिसका वाहन सिंह है, दुर्गा।

सिंह-वाहिनी वि. (तत्.) 1. सिंह पर सवारी करने वाली (दुर्गा) 2. दुर्गा, पार्वती स्त्री. संगी. कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

सिंह-विक्रम वि. (तत्.) जिसमें सिंह के समान पराक्रम या शक्ति हो पुं. 1. घोड़ा 2. संगी. एक प्रकार का ताल 3. चंद्रगुप्त नरेश।

सिंह-विक्रांत वि. (तत्.) सिंह जैसा, वीर पराक्रमी पुं. 1. सिंह की गति-चाल 2. घोड़ा 3. (छन्द) ऐसा वर्णिक दंडक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में